श्रावण कृष्ण पक्ष अष्टमी 05:02 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शुक्रवार, 18 जुलाई 2025
वर्ष 6, अंक 238, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

PAGE NO 9 : BOTTOM

शिक्षा का मोल हमने ही आज बेच खाया

साहित्य सरिता में काव्य पाठ करते कवि। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः एसआरएमएस रिद्धिमा में गुरुवार शाम साहित्य सरिता के तहत द्वितीय कवि सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें कवियों ने आध्यात्म, प्रेम, सामाजिक सद्भाव, भ्रष्टाचार और हास्य-व्यंग्य को केंद्रित कर काव्य पाठ किया।

काव्य संध्या की शुरुआत अंकित तुलसी ने कविता मां जगदंबा को समर्पित की और उनका शब्द चित्र प्रस्तुत किया। लखनऊ के कवि दिव्यांश रावत ने कहा, अपने हैं सब पराया कोई नहीं, पर मेरे दुख में आया कोई नहीं, जब खड़ा था उठाते थे सब, जब गिरा तो उठाता कोई नहीं। शहर की कवियत्री स्नेह सिंह ने कहा, शिक्षा का मोल हमने ही आज बेच खाया, सत्ता में बैठा हर शख्स विद्वान है। शाहजहांपुर के उमेश शाक्य ने श्रोताओं पर हास्य रंग बरसाया। अंशु गुप्ता ने अपनी कविता में मां और पिता को समर्पित की। कहा- अपने घर की छत बन रही हूं, मैं कुछ कुछ मां जैसी बन रही हूं। मैं ढूंढती हूं वर्तमान में अपने पुराने पिता को, मैं रह गई वहीं कंधे झुक गए पापा के। बदायूं के अखिलेश ठाकुर ने महिलाओं को शक्ति का रूप बताया। डा. कमलकांत तिवारी ने वीर रस की कविता सुनाई। संचालन अश्वनी चौहान ने किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति ,डा.प्रभाकर गुप्ता, डॉ.अनुज कुमार, डा.शैलेश सक्सेना, डॉ.रीटा शर्मा, कवि रोहित राकेश, अंशु गुप्ता आदि मौजूद रहे।